सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या– **244**
17/03/2026

राज्यपाल ने परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारियों के साथ संवाद किया

पटना 17 मार्च, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार लोक भवन, पटना में आयोजित परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया तथा उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल ने बिहार न्यायिक अकादमी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नवप्रशिक्षित अधिकारियों का यह बैच अत्यंत प्रतिभाशाली एवं संभावनाओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्ञान असीम है और न्यायिक पद पर आसीन होने के पश्चात् केवल विधिक ज्ञान तक सीमित रहना ही पर्याप्त नहीं है। एक न्यायाधीश के लिए आवश्यक है कि वह विभिन्न क्षेत्रों– साहित्य, कला, खेल, समसामयिक घटनाओं आदि में भी रुचि रखे, जिससे उसका व्यक्तित्व समग्र रूप से विकसित हो सके।

उन्होंने कहा कि न्यायाधीश का पद अत्यंत गरिमामय एवं उत्तरदायित्वपूर्ण होता है तथा उनके द्वारा लिए गए निर्णयों का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में ज्ञान का दायरा व्यापक होना चाहिए, ताकि निर्णय अधिक संवेदनशील, संतुलित एवं न्यायसंगत हो सकें।

राज्यपाल ने प्रिंट मीडिया के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त ज्ञान अधिक गहन एवं स्थायी होता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से अध्ययन करने तथा पढ़ी गई सामग्री का विश्लेषण कर उसे लिखने की आदत विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लेखन से विचारों में स्पष्टता आती है और अभिव्यक्ति अधिक प्रभावी बनती है।

उन्होंने कहा कि न्यायिक दायित्व केवल अधिकार का प्रयोग नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी का निर्वहन है। अतः निर्णय लेते समय व्यापक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता एवं गहन चिंतन आवश्यक है।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, बिहार न्यायिक अकादमी के निदेशक श्री भारत भूषण भसीन एवं अन्य पदाधिकारीगण, परिवीक्षाधीन न्यायिक पदाधिकारीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

....